Raj Express (Indore), 20th June 2025, Page – 04

चिंतनीय

2020 में थी 188वीं रैंक, अब क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग में 556वें स्थान पर

आईआईटी की वर्ल्ड रैंकिंग में तीन साल से गिरावट आई

● इंदौर/ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। मंगलवार को जारी क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में संस्थान को 556वीं रैंक मिली है। पिछले साल 2024 में आईईटी इंदौर को 477वां स्थान मिला था, जबकि 2023 में भी यह रैंक 477वीं ही थी। यानी पिछले तीन सालों में संस्थान की रैंक में लगातार गिरावट देखी जा रही है।

गौरतलब है कि वर्ष 2020 में आईआई इंदौर को 188वीं रैंक मिली थी। तब उम्मीद जताई जा रही थी कि संस्थान आगे और ऊपर जाएगा, लेकिन पिछले तीन वर्षों में यह उम्मीद लगातार कमजोर होती दिख रही है। इस साल रैंकिंग में आईआईटी इंदौर को 100 में से 29.6 का ओवरऑल स्कोर मिला है। यह स्कोर भी पिछली बार की तुलना में कम है। हालांकि शोध गुणवत्ता के मामले में संस्थान का प्रदर्शन अब भी मजबूत है।

आईआईटी इंदौर राष्ट्रीय स्तर पर 12वें स्थान पर रहा: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में 556वां स्थान मिला है, जिसे आधिकारिक तौर पर 19 जून, 2025 को जारी किया गया। भारत के 54 संस्थान सहित वैश्विक स्तर पर मूल्यांकित 1,501 संस्थानों में, आईआईटी इंदौर राष्ट्रीय स्तर पर 12वें स्थान पर रहा और दूसरी पीढ़ी के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में एक बार फिर सर्वोच्च रैंक के रूप में उभरा है। संस्थान के समग्र स्कोर में 25.1 से 29.6 की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में वृद्धि के बावजूद मुख्य प्रदर्शन संकेतकों में स्पष्ट प्रगति को दर्शाता है। इस वर्ष के परिणाम अनुसंधान की गुणवत्ता, शैक्षणिक कार्य और संस्थागत प्रतिष्ठा को बढ़ाने में किए गए सामूहिक प्रयासों को दर्शाते हैं।

कुल 1501 संस्थानों की रैंकिंग

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 में दुनिया भर की 1501 से ज्यादा यूनिवर्सिटीज को शामिल किया गया है। भारत की कुछ प्रमुख आईआईटी जैसे बॉम्बे, दिल्ली और मद्रास की स्थिति अब भी बेहतर है, लेकिन इंदौर की रैंकिंग पिछड़ रही है। आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रोफेसर सुहास जोशी ने कहा कि जबकि समग्र स्कोर में वृद्धि संस्थान की बढ़ती क्षमताओं और केंद्रित प्रयासों का एक स्पष्ट संकेतक है, वैश्विक रैंक में गिरावट क्यूएस रैंकिंग परिदृश्य में बढ़ती प्रतिस्पर्धा और बदलते मानदंडों को उजागर करती है। आज की रैंकिंग न केवल पूर्ण प्रदर्शन को मापती है, बल्कि दुनिया भर में सहकर्मी संस्थानों के बीच सापेक्ष स्थिति को भी मापती है, और इसलिए, सभी संकेतकों में सुधार महत्वपूर्ण है।

रिसर्च में किया दमदार प्रदर्शन

आईआईटी इंदौर ने 'प्रति फैकल्टी साइटेशन' सूचकांक में उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखा है,'जिसमें 100 में से 96.9 का उत्कृष्ट स्कोर प्राप्त हुआ है। यह मीट्रिक किसी संस्थान के शोध प्रभाव का मूल्यांकन करता है और आईआईटी इंदौर का प्रदर्शन इसे सभी भारतीय संस्थानों में छठा स्थान और वैश्विक स्तर पर 57वां स्थान दिलाता है, जो इसके संकाय सदस्यों द्वारा किए गए शोध की गुणवत्ता, वॉल्यूम और प्रभाव की पुष्टि करता है। यह स्कोर पिछले वर्ष के 95.6 के स्कोर से लगातार सुधार दर्शाता है, जो शोध योगदान में निरंतर विकास का संकेत देता है। फैकल्टी-स्टूडेंट अनुपात के क्षेत्र में, जो अध्ययन के परिवेश और फैकल्टी की पहुंच को दर्शाता है, संस्थान द्वारा साधारण वृद्धि देखी गई है, जिसमें स्कोर 27.1 से बढ़कर 28.8 हो गया है। यह छात्र-केंद्रित शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए आईआईटी इंदौर की निरंतर प्रतिबद्धता का संकेत है।